हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 14)(आशा रानी व्होरा – बच्चों के प्रिय केशव शंकर पिल्लै)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

1. पाठ से

प्रश्न क:

गुड़ियों का संग्रह करने में केशव शंकर पिल्लै को कौन–कौन सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर क:

गुड़ियों का संग्रह करने में केशव शंकर पिल्लै को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ढेर सारी गुड़ियों का संग्रह करना उनके लिए मुश्किल था । क्योंकि एक तो गुड़िया महँगी होती है, दूसरे उन्हें सुरक्षित रखने के लिए जगह भी ज्यादा चाहिए थी । देश –विदेश घूमकर गुड़ियों को इकट्ठा करना मॅंहगा शौक था । उन्होंने दो–चार, पाँच–दस नहीं, पाँच हजार से भी अधिक गुड़ियों का संग्रह किया है। सारी दुनिया में घूम–घूमकर विभिन्न देशों से भाँति–भाँति की रंग–बिरंगी खूबसूरत गुड़ियों का संग्रह।

प्रश्न ख:

वे बाल चित्रकला प्रतियोगिता क्यों करना चाहते थे ?

उत्तर ख:

बाल चित्रकला करवाकर वे दुनिया के बच्चों को एक मंच पर लाना चाहते थे ,जिससे उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके और बच्चों को अंर्तराष्ट्रीय मंच पर लाकर उनका उत्साह बढ़ाया जा सके ।

प्रश्न ग:

केशव शंकर पिल्लै ने बच्चों के लिए विश्व भर की चुनी हुई गुड़ियों का संग्रह क्यों किया?

उत्तर ग:

बच्चों को देश–विदेश और वहॉ के रीति–रिवाज और पहनावे की जानकारी देने के लिए केशव शंकर पिल्लै ने विश्व भर की गुड़ियों का संग्रह किया ।

प्रश्न घ:

केशव शंकर पिल्लै हर वर्ष छुट्टियों में कैंप लगाकर सारे भारत के बच्चों को एक जगह मिलने का अवसर देकर क्या करना चाहते थे?

उत्तर घ:

केशव शंकर पिल्लै हर वर्ष छुट्टियों में कैंप लगाकर सारे भारत के बच्चों को एक जगह पर इसलिए इकट्ठा करना चाहते थे जिससे कि वे सभी एक–दूसरे को जान सके अपने –अपने रीति–रिवाजों से एक दूसरे को परिचित करा सकें ।

2. तरह–तरह के काम

केशव ने कार्टून बनाना, गुड़ियों व पुस्तकों का संग्रह करना, पत्रिका में लिखना व पत्रिका निकालना, बाल चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन व बच्चों का सम्मेलन कराना जैसे तरह–तरह के काम किए। उनको किसी एक काम के लिए भी तरह–तरह के काम करने पड़े होंगे। अब बताओ कि –

प्रश्न कः

कार्टून बनाने के लए उन्हें कौन–कौन से काम करने पड़े होंगे ?

उत्तर कः

कार्टून बनाने के लिए केशव शंकर पिल्लै को सभी की अच्छाइयों और बुराइयों को बहुत बारीकी से देखना पड़ा होगा उसके बाद इन्होंने कार्टून बनाए और ऐसे कार्टून बनाए जिससे किसी को बुरा भी नहीं लगा और उन्होंने अपनी बात भी कह दी।

प्रश्न खः

बच्चों के लिए बाल चित्रकला प्रतियोगिता कराने के लिए क्या–क्या करना पड़ा होगा ?

उत्तर खः

बच्चों के लिए बाल चित्रकला प्रतियोगिता कराने के लिए उन्हें देश के सभी स्कूलों में निमंत्रण पत्र भेजना पड़ा होगा हर विद्यालय से बच्चों का बुलाकर एक जगह पर विशाल प्रतियोगिता करवाने के लिए उन्हें विशाल जगह का भी इंतजाम करना पड़ा होगा ।

प्रश्न गः

केशव शंकर पिल्लै की तरह कुछ और भी लोग हुए हैं जिन्होंने तरह–तरह के काम करके काफी नाम कमाया। तुम्हारी पसंद के वो कौन–कौन लोग हो सकते है ? तुम उनमें से कुछ के नाम लिखो और उन्होंने जो कुछ विशेष काम किए हैं उनके नाम के आगे उसका भी उल्लेख करो।

उत्तर गः

बच्चे अपने आस–पास और संपर्क में आए हुए ऐसे व्यक्तियों और उनके द्वारा किए गए कार्यों की सूची कक्षा में शिक्षक को को प्रस्तुत करेंगे।